मैदान में बरसते पानी में करते हैं अंतिम संस्कार

ग्राम बरखुआ के श्मशान घाट में नहीं है टीनशेड, पॉलीथिन तानना पड़ता है

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 27 जुलाई. ग्रामीण अंचल के अनेकों गांव में आज भी श्मशान घाटों पर शेड नहीं होने से मैदान में ही अंतिम संस्कार होता है. पिछली पंचवर्षीय योजना में प्रत्येक ग्राम पंचायत द्वारा अपने क्षेत्र के प्रत्येक गांव में विकसित श्मशान घाट बनाने के लिए ग्राम पंचायतों द्वारा जनपद पंचायत को अलग से प्राक्कलन दिए गए थे. जिन्हें मनरेगा के माध्यम से बनाया गया है. इसमें कम जनसंख्या वाले गांव में सिंगल प्लेटफॉर्म बनाने के लिए एक लाख 80 हजार एवं बड़े गांवों में डबल प्लेटफॉर्म वाले श्मशान घाट निर्माण करने के लिए 3 लाख रुपए की राशि का प्रावधान है. इसमें 121 गांवों को स्वीकृति दी गई थी, जिसमें 94 गांवों में श्मशान घाट निर्मित होकर चालू है, जबकि 27 गांव में काम चल रहा है. इसमें साफ सुथरा श्मशान घाट टीनशेड के साथ होना अनिवार्य है, लेकिन कई सरपंचों - सचिवों ने श्मशान घाट निर्माण के लिए राशि आहरण तो कर ली, लेकिन श्मशान घाट के नाम पर आज भी कई गांवों में मात्र मैदान नजर आ रहे हैं.

शिकायतों के बाद भी तत्कालीन जनपद पंचायत सीईओ द्वारा लीपापोती करके ऐसे सरपंच एवं सचिवों को अभयदान दे दिया गया था. ऐसे सरपंचों एवं सचिवों ने अपनी सफाई में बताया कि कई गांव में आवंटित भूमि पर अतिक्रमण होने के कारण काम नहीं लगा और कहीं भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई है. गत दिवस ऐसे ही कागजी श्मशान घाट की पोल तब खुली जब तहसील के ग्राम बरखुआ में एक 45 वर्षीय व्यक्ति बसंत यादव की बीमारी के चलते मृत्यु हो गई और उनका अंतिम संस्कार श्मशान घाट नहीं होने की दशा में खुले आसमान के नीचे तेज बरसते पानी में पालीथिन डालकर अंतिम संस्कार करना पड़ा. जिससे परिजनों सहित ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है.

आजादी के 70 वर्ष बीत जाने के बाद भी बेगमगंज तहसील की चांदबड़ ग्राम पंचायत के ग्राम बरखुआ सहित अनेकों गांव में श्मशान घाट नहीं है .जहाँ मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट के साथ टीनशेड भी मौजूद नहीं है. रविवार को मृतक बसंत यादव की चिता को बारिश से बचाने पालीथिन (पन्नी) तानकर अग्नि देकर अंतिम संस्कार किया गया. बेहद मार्मिक तस्वीर सामने आने से लोग आक्रोशित हैं. जहां मुक्तिधाम की सुविधा नहीं है. अंतिम संस्कार के समय तेज बारिश हो रही थी बड़ी मुश्किल से सूखी लकड़ियां जुटाई गई, लेकिन ना तो मुक्तिधाम और ना टीन शेड खुले आसमान के नीचे प्लास्टिक तानकर पानी के नीचे बड़ी मुश्किल से अंतिम संस्कार किया गया.

> चांदबड़ पंचायत सचिव संजय दुबे ने बताया कि ग्राम बरखुआ में श्मशान घाट निर्माण कराने के लिए तीन वर्ष पहले जनपद पंचायत को प्रस्ताव दिया गया है, लेकिन अभी तक स्वीकृति नहीं मिलने से काम नहीं लग पाया है. इसके अतिरिक्त श्मशान घाट के लिए आवंटित भूमि पर अतिक्रमण भी है, जो राजस्व विभाग द्वारा आज तक हटवाया नही गया है. फिर श्मशान घाट कैसे बनेगा. उल्लेखनीय है कि चांदबड़ ग्राम पंचायत पूर्व जनपद अध्यक्ष स्वर्गीय माधो सिंह पटेल एवं पूर्व अध्यक्ष साहब सिंह पटेल का गृह ग्राम है, जो कि क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल के चाचा एवं भाई होते हैं. विधायक के स्वयं के गृह ग्राम में श्मशान घाट नहीं होने और विकास कार्यों की दुर्दशा चर्चा का विषय बनी हुई है .

यह है नए भारत की विकसित तस्वीर : अजय जामवाल

मन की बात में ग्रामीणों का उत्साह देखकर बोले संगठन महामंत्री

नवभारत न्यूज

रायसेन, 27 जुलाई. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रभाव सांची विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में भी देखा गया.

रविवार को खरबई भाजपा ग्रामीण मंडल के बूथ क्रमांक 88 पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकर मन की बात सुनी. इसके बाद जामवाल ने आमजनों और पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं से भेंट कर उनके उत्साह की सराहना की. उन्होंने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के कोने-कोने में जनसंवाद का सशक्त माध्यम है. आज महिलाओं और ग्रामीण नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखकर यह स्पष्ट होता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संदेश हर दिल तक पहुंच रहा है.

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने जामवाल का स्वागत करते हुए उन्हें पोलिंग बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों से मिलवाया. प्रदेश मंत्री लोकेन्द्र पाराशर, पूर्व कैबिनेट मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, सांची विधायक एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीना बब्लू भैया, मंडल प्रभारी राकेश तोमर, बूथ अध्यक्ष मनफूल राय, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी हरि साहू और मीडिया विभाग से सी.एल. गौर सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा उत्साहपूर्वक शामिल हुए.

सेंट थॉमस स्कूल के सामने बिजली लाइन हुई ऊंची

खबर का असर

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 27 जुलाई. शनिवार की सुबह सेंट थॉमस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के मेन गेट के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन में एक निजी बस फंस गई थी, जो विद्यार्थियों को लेकर भोपाल जा रही थी. गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ. उक्त समाचार नवभारत समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था.

विद्युत वितरण कंपनी के संभागीय कार्यपालन यंत्री पराग बरड़े द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए 24 घंटे के अंदर उपरोक्त समस्या के समाधान किए जाने का आश्वासन दिया गया था . रविवार सुबह से ही स्कूल के सामने से निकली हाईटेंशन लाइन को विद्युतकर्मियों द्वारा ऊंचे पोल लगाकर ऊंचा कर दिया गया है. प्राचार्य सिस्टर मरीना द्वारा कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा एवं विद्युत वितरण कंपनी के डीई पराग का आभार व्यक्त किया है.

पागल कुत्ते ने दो लोगों को काटा

बेगमगंज, 27 जुलाई. नगर के वार्ड क्र .5 फकीरा मोहल्ले में एक पागल कुत्ता रविवार को बच्चों और लोगों पर छपटने लगा तो बच्चों के माँ - बाप ओर भाइयों ने दौड़कर कुत्ते को लाठी से भगाकर बच्चों को बचाया, लेकिन वहां से निकलने वाले दो राहगीरों को उसने अपना निशाना बनाते हुए काटा ओर जख्मी कर दिया. मोहल्ले में चारों तरफ हड़कंप मच गया और उसे भगाने के चक्कर में लोग लाठियों से उसे वहां से भगाने के प्रयास में जुटे रहे लेकिन वह भागने की जगह वहीं बशीर खां करोहला वालों के खण्डहर जो चुके घर में घुस गया. नगरपालिका कार्यालय में उसकी सूचना दी गई.

तत्काल मौके पर नपाकर्मियों का एक दस्ता वहां पहुंचा और कुत्ते को घेरकर बामुश्किल बाहर निकाला और मोहल्लेवासियों को उससे छुटकारा दिलवा.

हलाली डेम पर जान जोखिम में डालकर ले रहे सेल्फी

डेम पर नहीं हैं सुरक्षा के कोई इंतज़ाम

रविवार को बड़ी संख्या में पहुंचते हैं पर्यटक

अदनान खान, नवभारत

सलामतपुर, 27 जुलाई. बारिश का मौसम और रविवार की छुट्टी इन दोनों के मेल ने रायसेन जिले के प्रसिद्ध हलाली डैम पर पर्यटकों की भारी भीड़ जुटा दी. भोपाल, विदिशा, बैरसिया और रायसेन सहित दूर-दराज से लोग प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ उठाने यहां पहुंचे. लेकिन इस दौरान कई पर्यटक अपनी जान जोखिम में डालकर ऊंची और फिसलनभरी जगहों पर सेल्फी लेते नजर आए.

2 जिलों की सीमा के चक्कर में हमेशा रहता है विवाद

हलाली डेम और मिनी पचमढ़ी पर 2 जिलों रायसेन और विदिशा थानों की क्षेत्र सीमा को लेकर हमेशा विवाद की स्थिति बनती है . क्योंकि दोनों ही जगह के कुछ क्षेत्र रायसेन जिले के सलामतपुर थाना और विदिशा जिले के खामखेड़ा चौकी थाने के अंतर्गत आते हैं . कई बार बड़ी दुर्घटना के वक्त दोनों ही थाने अपनी जिम्मेदारी एक दूसरे पर डालकर बचते रहते हैं .

भीड़ भाड़ और असावधानी के बीच यह नज़ारा चिंता का विषय बन गया है. जानकारों का कहना है कि हलाली डैम पर पहले भी कई बार लापरवाही के चलते जानें जा चुकी हैं. इसके बावजूद लोग न तो सतर्क हो रहे हैं और न ही पूर्व की घटनाओं से सबक ले रहे हैं. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि डैम पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और खतरनाक स्थानों पर चेतावनी बोर्ड और बैरिकेड्स लगाए जाएं ताकि इस तरह की लापरवाही से कोई अनहोनी न हो.

> **इनका कहना है...**
> रविवार को हलाली डेम पर आसपास क्षेत्र के रहवासी काफी संख्या में मौके पर पहुंच गए थे. जानकारी मिलते ही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल मौके पर भेजा गया है.
> **दिनेश सिंह रघुवंशी, थाना प्रभारी सलामतपुर**

एक नजर में

हॉस्टल के विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

बेगमगंज, 27 जुलाई . मध्य प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा नशे से है दूरी जरूरी और कार्यक्रम 15 जुलाई से 30 जुलाई तक के लिए विभिन्न क्षेत्रों में चलाया जा रहा है . रविवार को कार्यक्रम शासकीय अनुसूचित जाति बालक एवं कन्या उत्कृष्ट सीनियर छात्रावासों में डॉ . भीमराव आंबेडकर के संकल्प कि जीवन लंबा होने की जगह महान होना चाहिए . समाज तभी तरक्की कर सकता है जब समाज के लोग शिक्षित होकर नशा एवं जुआ जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहे ताकि पीढियां तरक्की कर सकें इस थीम पर ही आज कार्यशाला आयोजित हुई . थाना प्रभारी राजीव उइके एवं कन्या छात्रावास की अधीक्षक रुक्मिणी देवी शाक्यवार एवं बालक छात्रावास के अधीक्षक परसराम अहिरवार ने अपने -अपने उद्बोधन में छात्रावास की छात्राओं एवं छात्रों को समझाइश देते हुए कहा कि परिवार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बेटी एवं मां होती है और भावी युवा पीढ़ी जो कि परिवार के पुरुष सदस्यों की मार्गदर्शन होकर उनके जीवन पर विशेष प्रभाव डालती है . इसलिए आपको चाहिए कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को एवं पास -पड़ोस के लोगों को नशामुक्ति की दिशा में अथक प्रयास करते हुए हर प्रकार के नशे से दूर रहने की समझाइश देकर उन्हें उनके आराध्य की शपथ दिलाएं कि जीवन में वह कभी भी किसी प्रकार का नशा नहीं करेंगे, ताकि उनके जीवन में एवं उनके परिवार में सुख शांति रहे, क्योंकि नशे के कारण कई परिवार बर्बाद हुए हैं .

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

बेगमगंज, 27 जुलाई . कारगिल विजय दिवस पर भूतपूर्व सैनिकों एवं समाजसेवियों द्वारा जनपद पंचायत कार्यालय प्रांगण में शहीदों की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई . एक शाम शहीदों के नाम शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिकों एवं समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही . कार्यक्रम की शुरुआत दीपप्रज्ज्वलित कर हुई, जिसमें भारत माता के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित किए जाने के साथ विभिन्न वक्ताओं के देशभक्ति पर भाषण एवं कवितापाठ हुआ . संचालन प्रदीप सोनी शून्य ने किया . उपस्थित लोगों द्वारा शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें शिद्दत से याद किया गया .

अब सावन के झूलों में झूलते नहीं दिखतीं सहेलियां

मोबाइल फोन में व्यस्त रहते हैं लोग, गायब हो गई परंपरा

नवभारत न्यूज़

सलामतपुर, 27 जुलाई. गांव का वह बचपन और सावन के झूले, कहीं दादी और नानी की कहानी न बन जाएं. अनछुए पहलू वो झूले, मल्हार, सखा सहेलियों का बचपन सब कुछ ओझल सा हुआ जा रहा है. अब लोगों को पता ही नही चलता कि सावन कब आकर गुजर जाता है.

सलामतपुर सहित आस पास क्षेत्र में बड़े बड़े नीम और आम के पेड़ों पर मोटे रस्से से पड़े झूले और सखा सहेलियों की टोलियां झूले का आनंद लेते थे. झूले को झोंका देते हुए महिलाएं मल्हार गाती थी और हल्की बारिश की फुहारों में झूले पर लंबी लंबी पैंग बढ़ाकर झूले को तेज करते हुए पेड़ों की शाखाओं को छू लेना बड़ा ही सुखद मंजर था. बच्चे बूढ़े और जवान अपने अपने हमउम्र साथियों के साथ पूरे सावन माह का भरपूर आनंद लिया करते थे. ऐसा हुआ करता था सावन का महीना. वो झूले, मल्हार, सखा सहेलियों का बचपन सबकुछ ओझल सा हुआ जा रहा है.

कुछ इस तरह होता था झूले का आनंद: सलामतपुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 15 वर्ष पूर्व लोग सावन का इंतजार करते थे. माह के शुरुआत में ही गांव-गांव नीम व आम के पेड़ों पर रस्सी के सहारे सावन के झूले डाले जाते थे. जहां पर सैकड़ों लोगों का जनसमूह एकत्र होता था. इसके बाद अपनी अपनी बारी का इंतजार करके लोग उस झूले का आनंद लेते थे. कभी कभी तो ऐसा होता था कि सावन के मौके पर इस रस्सी के झूले पर एक से लेकर 5 लोग एक साथ बैठकर झूले का आनंद लेते. सौहार्द और प्रेम के भाव से ओतप्रोत वह जनसमूह सावन के माह में देखने को मिलता था.

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह का किया स्वागत

नवभारत न्यूज

रायसेन, 27 जुलाई. केंद्रीय कृषि मंत्री एवं विदिशा भाजपा सांसद शिवराज सिंह चौहान कलेक्ट्रेट में आयोजित दिशा समिति की बैठक के बाद जगह-जगह भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे.

गंजबाजार स्थित नगर पालिका अध्यक्ष स्वर्गीय रामप्रसाद राठौर के घर पहुंचे उनकी पत्नी रोहिणी देवी राठौर के निधन पर उन्होंने तस्वीर पर श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा सुमन अर्पित किए. उनके साथ पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, विधायक सुरेंद्र पटवा, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, जमुना सेन, राजू राठौर, ब्रजेश चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे.

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान का भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष आदित्य जीतू शर्मा, जिपं सदस्य ऊषा सोनू मीणा, ब्रजेश चतुर्वेदी, सरपंच रंजीत लोधी चांदना, बंटी मनीष माहेश्वरी, शिवराज सिंह राजावत, चन्द्रकृष्ण रघुवंशी, मुरारी लाल सोनी द्वारा फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया.

धर्म | सावन का तीसरा सोमवार आज, गूंजेंगे बम-बम भोले के जयकारे

कावड़िये आज नर्मदा जल से करेंगे शिवजी का अभिषेक

नवभारत न्यूज

सिलवानी, 27 जुलाई. सावन माह में धर्म स्थलों व घरों में भगवन भोलेनाथ के जयकारे गूंज रहे हैं. श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ भगवान भोले की आराधना कर रहे है. भजन, कीर्तन, अखण्ड पाठ आदि आयोजन किए जा रहे है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं. सावन के तीसरे सोमवार को नगर व अंचल के शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा. शिवालयों में पहुंच कर श्रद्धालु भगवान शिव की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना आराधना करेंगे.

नर्मदा तट बौरास घाट से पवित्र पावनी नर्मदा नदी का जल कांवड़ में भर कर प्रतिदिन बड़ी संख्या में जयकारा लगाते हुए कांवड़िये नगर की सड़कों से निकल रहे हैं. भगवा वस्त्र धारण किए कांवड़िये नंगे पैर आस्था व निष्ठा के साथ कांवड़ कंधे पर रख कर जयकारा लगाते हुए निकलते हैं तो समूचा माहौल भगवान शिव की भक्ति में डूबता नजर आता है. नगर के बजरंग चौराहा स्थित अनगढ़ हनुमान मंदिर के हॉल में तथा शनि मंदिर परिसर में रात्रि के समय कांवड़ यात्रियों के विश्राम की व्यवस्था भी की गई है. रविवार दोपहर को बजरंग चौराहा से ग्राम जमुनिया के करीब 50 कांवड़िये नर्मदा जल भर कर भगवावस्त्र धारण किए हुए निकले. जो कि ग्राम के शिवालय में सावन माह के तीसरे सोमवार को जलाभिषेक करेंगे.

श्रद्धालु कर रहे पार्थिव शिवलिंग का निर्माण

सिलवानी नगर के वार्ड क्रमांक 1 में पार्थिव शिवलिंग निर्माण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है . जहां पर श्रद्धालु श्रद्धा के साथ पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर रहे हैं . यहां पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर खेरापति पंडित भूपेंद्र शास्त्री ने बताया कि सावन मास में शिवलिंग पर दूध, जल, बेलपत्र, धतूरा अर्पित करने से जन्मों के पाप नष्ट होते हैं और जीवन में सुख शांति का वास होता है . उन्होंने कहा कि महादेव को यदि श्रद्धा से केवल एक लोटा जल भी अर्पित किया जाए तो वे प्रसन्न होकर जीवन की हर बाधा दूर कर देते हैं . सुबह पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण, दोपहर में पूजन पाठ और रुद्राभिषेक के बाद शाम को इन पार्थिव शिवलिंगों को प्रवाहित जल में विसर्जित कर दिया जाता है .